अनिवासी भारतीयों की सहायता से राजस्थान में उद्योगों का स्थापित किया जाना

1583. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अनिवासी भारतीयों की सहायता से राजस्थान में स्थापित किये गये उद्योगों का ब्यौरा क्या है ;

(ख) क्या अनिवासी भारतीय को राज्य में और ज्यादा उद्योग स्थापित करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए कोई कदम उठाये जा रहे हैं ; और

(ग) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्री (श्री जे० वेंगलराव) : (क) विशेष स्वीकृति समिति (अनिवासी भारतीय) की नवम्बर, 1983 में स्थापना होने के पश्चात अनिवासी भारतीयों को राजस्थान राज्य में औद्योगिक एकक स्थापित करने के लिए 8 आशय पत्र जारी किए गए थे । सरकार द्वारा जारी किए गए आशय पत्रों के ब्यौरे भारतीय निवेश केन्द्र, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित मंथली न्यूजलैटर में दिए जाते हैं, जिसकी प्रतियां संसद पुस्तकालय में उपलब्ध हैं ।

(ख) और (ग) लाइसेंस नीति के अनुसार अनिवासी भारतीय, भारत में कहीं भी उद्योग स्थापित करने के लिए स्वतंत्र है ।

उपहार में दिए गए घरेलू गैस कनेक्शनों पर नई सिक्योरिटी की वसूली

1584. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक** : क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि तेल निगम की कम्पनियों ने घरेलू गैस वितरकों को इस आशय के अनुदेश जारी किये हैं कि किसी ऐसे मामले में जहां गैस कनेक्शन उपहार में दिया गया हो, उसे उस व्यक्ति के नाम में नवीन सिक्योरिटी वसूल करने के बाद ही बदला जा सकेगा, अन्यथा नहीं ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या पुरानी सिक्योरिटी के बदले उपहार में दिये गये गैस कनेक्शन को स्थानांतरित किये जाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या हैं ; और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री ब्रह्म दत्त) : (क) से (घ) उपभोक्ता को जारी किये जाने वाले कनेक्शन की शर्तों में एक व्यक्ति द्वारा दूसरे व्यक्ति को एल पी जी कनेक्शन उपहार में देने की व्यवस्था नहीं है यह उपभोक्ता के सब्सक्रिप्शन वाउचर पर भी लिखा होता है । मृत्यु के मामले में छोड़कर जहां कानूनी वारिस को या उनके पति/पत्नी का स्थानान्तरण करने को छोड़कर सामान्यत: एल० पी० जी० कनेक्शन स्थानांतरित नहीं किये जा सकते । उन मामलों में जहां एक प्राधिकृत कनेक्शन किसी दूसरे द्वारा प्रयोग किया जा रहा है, इसे नियमितीकरण की तारीख को मान्य जमा राशि देकर और आपसी सहमति के द्वारा नियमित भी किया जा सकता है ।

World Bank Assistance for Bodhghat Hydroelectric Project

1585. SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI RAM CHANDRA VIKAL:

Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) what is the latest attitude of the World Bank towards its plan for assisting in setting up the Bodhghat Hydroelectric Project in Madhya Pradesh in the light of objections raised by the London-based environmental group; and

(b) whether the World Bank has laid down any fresh conditions; if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI KALPNATH RAI): (a) and (b) Agreements for an IBRD loan of US $ 157.4 million, a special fund credit of SDRs 122 million and IDA credit of SDRs 12.4 million were signed with the World Bank in March, 1985. The IBRD loan carried a commitment charge of 0.75 per cent per annum and SF and IDA credits carry commitment charge of 0.5 per cent per annum for the loan/credit not utilised from time to time. The IDA/Special Fund credits and IBRD loan allocated to the hydroelectric power project component have been surrendered since the Project is yet to receive the clearance under the Forest (Conservation) Act, 1980.

Preparation of Master Plan for DESU by Swedish Firm

1586. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether DESU has entrusted the job of preparation of Master Plan for power generation by 2005 to a Swedish firm;

(b) if so, what is the amount to be paid or has already been paid to the firm by DESU for the purpose; and

(c) what are the reasons for which the work of preparation of such Plans are entrusted to foreign companies when highly qualified engineers/planners are available in our own country?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI KALPNATH RAI): (a) The Delni Electric Supply Undertaking has entered into an agreement with M/s. Swedpower for providing consultancy services for preparation of a Master Plan for the Distribution System in Dehi to meet the anticipated load growth upto the year 2005 A.D. The agreement also envisages supply of computer software package and training of personnel etc.

(b) and (c) The entire cost of providing consultancy services including the supply of software packages and training of DESU staff, is being met from a grant by the Swedish International Development Agency (SIDA). The agreement with M/s. Swedpower was entered into in the context of the grant by SIDA.

Items not permitted with foreign collaboration

1587. SHRI SURESH KALMADI: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) what are the items listed by tne D.G.T.D., where foreign collaborations are not permitted;

(b) in what circumstances exemptions are allowed; and

(c) how many such exemptions have been granted during the last five years and who have obtained such exemption and for which item of manufacture?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI J. VENGAL RAO): (a) There is a list of industries where no foreign collaboration, financial or technical is considered normally necessary and requests for collaboration in this list are not normally considered. A copy of the list is enclosed. (See below).

(b) and (c) Government policy regarding foreign collaboration has been to bridge the technology gaps in tne industrial sector. Import of technical know-how is permitted in sophisticated and high priority areas, in export oriented or import substitution manufacturing or for enabling indigenous industry to update existing technology in India to meet efficiency domestic requirements and/or to become competitive in the export market.

During the last 5 years (i.e. from 1983 to 1987), 4259 foreign collaboration proposals were approved. The details of approved foreign collaborations showing the names of Indian and foreign firms, itmes of manufacture and nature of collaboration are